By:- Sunita Kumari
Dept. of History
J.N.C Madhubani

सामन्तवाद के विकास का कारण :→
(The causes of the rise of feudalism)

पश्चिमी यूरोप में सामन्तवादी प्रथा के जन्म और विकास के लिए अनेक परिस्थितियाँ विद्यमान थीं। इससे सामन्तवादी प्रथा के अनेक लाभ भी हुए, जो निम्नलिखित थे और सामन्तवाद के विकास के कारण निम्नलिखित थे:-

1. **अराजकता !→** रोम साम्राज्य के विघटन के पश्चात उत्पन्न राजनीतिक अराजकता और बर्बर आक्रमणों के परिणामस्वरूप चारों ओर संकट उत्पन्न हो गया। ऐसे में शक्तिशाली व्यक्तियों द्वारा कृषकों को लूटा गया, दुर्बल राजा उन्हें संरक्षण नहीं दे सके, इसलिए कृषकों द्वारा इन शक्तिशाली व्यक्तियों से अपनी सुरक्षा प्रदान करने का समझौता कर लिया गया। इसके बदले में कृषकों ने उन्हें अपना स्वामी मान लिया अब वे भूमि के स्वामी हो गये। कृषकों द्वारा उन्हें उपज का एक भाग तथा कई प्रकार की सेवाएँ निःशुल्क देने का वचन दिया गया। इसी प्रकार से छोटे सामन्तों द्वारा बड़े सामन्तों की अधीनता स्वीकार की गयी।

2. **जर्मन जातियों का प्रभाव !→** जर्मन जाति ने भी सामन्तवादी व्यवस्था के विकास में अपना सहयोग दिया। जर्मन जाति अनेक कबीले में विभाजित होती थी, जिसमें प्रत्येक कबीले का अपना-अपना नेता था, जब जर्मनों के अधिकार में विस्तृत भूमि आयी तब उन्होंने उस

भूमि को अनेक कबीले में बाँट दिया। कबीले के नेताओं द्वारा उसे अपने अनुयायियों में सैनिक और राजनीतिक सेवाएँ प्रदान करने के बदले बाँट दिया गया। इससे छोटे-बड़े सामन्तों की एक शृंखला स्थापित हो गयी।

3. केन्द्रीय सत्ता का दुर्बल होना :→ रोम साम्राज्य में स्थानीय कुलीन लोगों द्वारा केन्द्रीय सत्ता के आदेशों का पालन किया जाता था लेकिन जब केन्द्रीय सत्ता दुर्बल हो गयी तब इन पर कोई नियंत्रण नहीं रहा, जिससे आगे चलकर यह सामन्त बन गये और स्थानीय क्षेत्रों में अधिकार रखने लगे।

4. रोमन दास प्रथा का प्रभाव :→ रोमनों के अन्तर्गत बड़ी संख्या में दास थे जिनसे अनेक प्रकार की सेवाएँ ली जाती थी। इसके अतिरिक्त जब रोमन लोगों द्वारा दासों को प्रोत्साहन देने के लिए कुछ अधिकार तथा स्वतंत्रता प्रदान कर दी गयी, तब यह दास अपने साथ परिवार रख सकते थे, व्यवसाय कर सकते थे। ऐसी स्थिति में इनके द्वारा अपने स्वामियों का विरोध भी नहीं किया गया, जिससे सामन्तवाद और अधिक पनपी।

सामन्तवाद वैयक्तिक शासन, एक विशिष्ट भूमि-व्यवस्था और व्यक्तिगत निर्भरता का मिश्रित रूप था। सामन्तवाद की परिभाषा देते हुए वेब्सटर ने लिखा है, "सामन्तवाद एक ऐसा प्रणाली है जिससे स्थानीय शासक उन शक्तियों का प्रयोग करते हैं जो राजा, सम्राट अथवा किसी केन्द्रीय शक्ति को प्राप्त होते हैं।

P.T.O.